India की Top Universities में
अपनी Seat Reserve करें
CUET SCORER Series के साथ

arihant
SUCCESS AND NOTHING LESS

NTA CUET (UG)

कॉमन यूनिवर्सिटी एन्ट्रेन्स टेस्ट 2024

15 प्रैक्टिस सेट्स

हिन्दी भाषा

(सेक्शन I A)

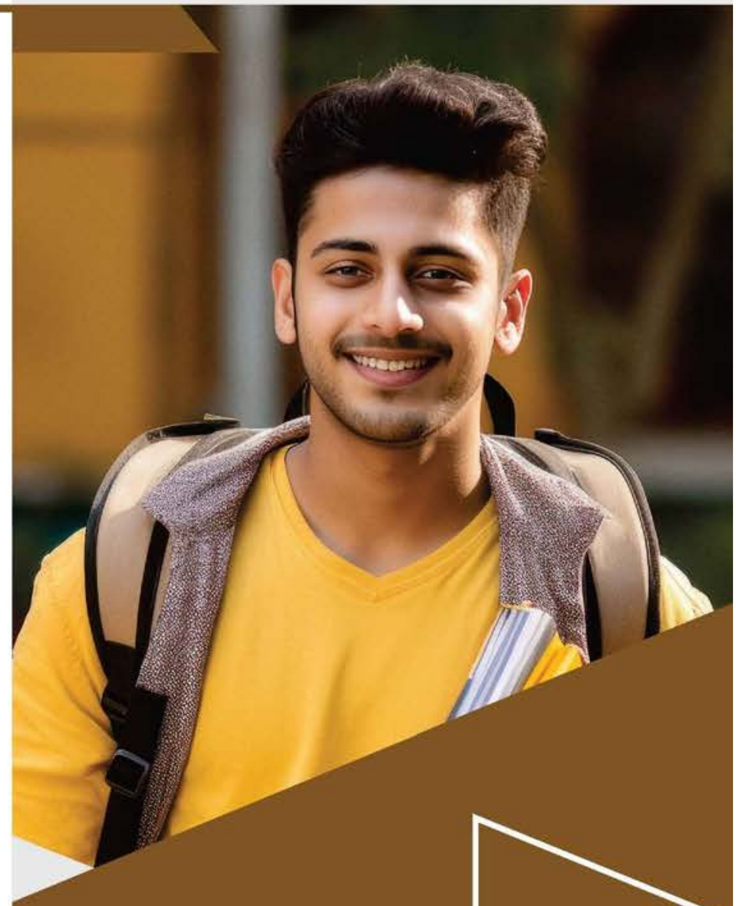

3 ऑनलाइन प्रैक्टिस सेट्स
इंस्ट्रक्शन अन्दर देखें...

- नवीनतम् सॉल्वड पेपर्स 2023 एवं 2022 सहित
- NTA CUET (UG) के नवीनतम् पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न पर आधारित

NTA

CUET (UG)

कॉमन यूनिवर्सिटी एन्ट्रेन्स टेस्ट 2024

15 प्रैक्टिस सेट्स

हिन्दी भाषा

(सेक्शन I A)

NTA

CUET (UG)

कॉमन यूनिविर्सिटी एन्ट्रेन्स टेस्ट 2024

15 प्रैक्टिस सेट्स

हिन्दी भाषा

(सेक्शन I A)

लेखक
राजीव पाण्डेय

arihant
SUCCESS AND NOTHING LESS

arihant
SUCCESS AND NOTHING LESS

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

सर्वाधिकार सुरक्षित

© प्रकाशक

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके—इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरण नहीं किया जा सकता है। 'अरिहन्त' ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक अथवा मुद्रक जिम्मेदार नहीं हैं।

सभी प्रतिवाद का न्यायिक क्षेत्र 'मेरठ' होगा।

रजि. कार्यालय
'रामछाया' 4577/15, अग्रवाल रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली- 110002
फोन: 011-47630600, 43518550

मुख्य कार्यालय
कालिन्दी, टी०पी० नगर, मेरठ (यूपी)– 250002
फोन: 0121-7156203, 7156204

शाखा कार्यालय
आगरा, अहमदाबाद, बरेली, बंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, झाँसी, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर तथा पुणे

मूल्य ₹ 135.00

PO No : TXT-XX-XXXXXXX-X-XX

PUBLISHED BY ARIHANT PUBLICATIONS (INDIA) LTD.

'अरिहन्त' की पुस्तकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.arihantbooks.com** पर लॉग इन करें या **info@arihantbooks.com** पर सम्पर्क करें।

Follow us on...

विषय–सुची

NTA CUET (UG) सॉल्वड पेपर 2023 **3-9**

NTA CUET (UG) सॉल्वड पेपर 2022 **10-16**

- प्रैक्टिस सेट 1 *19-26*
- प्रैक्टिस सेट 2 *27-34*
- प्रैक्टिस सेट 3 *35-42*
- प्रैक्टिस सेट 4 *43-50*
- प्रैक्टिस सेट 5 *51-58*
- प्रैक्टिस सेट 6 *59-66*
- प्रैक्टिस सेट 7 *67-74*
- प्रैक्टिस सेट 8 *75-82*
- प्रैक्टिस सेट 9 *83-90*
- प्रैक्टिस सेट 10 *91-98*
- प्रैक्टिस सेट 11 *99-106*
- प्रैक्टिस सेट 12 *107-114*
- प्रैक्टिस सेट 13 *115-122*
- प्रैक्टिस सेट 14 *123-130*
- प्रैक्टिस सेट 15 *131-138*

फ्री 3 ऑनलाइन प्रैक्टिस सेट्स

देखें www.examwitharihant.com

नोट : *फ्री प्रैक्टिस सेट्स, 1 नवम्बर 2023 के पश्चात् उपलब्ध होंगे।*

CUET (UG) | सेक्शन I A

सॉल्वड पेपर
(2023-22)

सॉल्वड पेपर 2023

NTA CUET (UG)

हिन्दी भाषा

निर्देश

- दिए गए 50 प्रश्नों में से 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जाएगा।
- केवल समीक्षा किए गए प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

समय : 45 मिनट
पूर्णांक : 200

निर्देश (प्र.सं. 1-11) *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता रही है—'अनेकता में एकता।' यद्यपि ऊपरी तौर पर भारत के विभिन्न प्रदेशों में पर्याप्त भिन्नता दिखाई देती है, तथापि अपने आचार-विचारों की एकता के कारण यहाँ सदा सामासिक संस्कृति का रूप देखने को मिलता है। यही कारण है कि विभिन्नताओं के होते हुए भी भारत सदियों से एक भौगोलिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इकाई के रूप में विश्व में अपना स्थान बनाए हुए है। इसलिए भारत में अनेकता में एकता के सदैव दर्शन होते हैं।

भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और भौतिकता दोनों का ही मिश्रण रहा है। अत: इसकी प्राचीनता, इसकी गतिशीलता, इसका लचीलापन, इसकी ग्रहणशीलता, इसका सामाजिक स्वरूप और अनेकता के भीतर मौजूद एकता ही इसकी प्रमुख विशेषता है। इस विशेषता के कारण ही भारतीय संस्कृति विश्व में अपना एक विशिष्ट स्थान रखती है। भारतीय संस्कृति का इतिहास बहुत प्राचीन है। वास्तव में, संस्कृति का निर्माण एक लंबी परंपरा के बाद होता है। संस्कृति वस्तुत: विचार और आचरण के वे नियम और मूल्य हैं, जिन्हें कोई समाज अपने अतीत से प्राप्त करता है। इसलिए कहा जा सकता है कि इसे हम अपने अतीत से विरासत के रूप में प्राप्त करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो संस्कृति एक विशिष्ट जीवन-शैली का नाम है। यह एक सामाजिक विरासत है, जो परंपरा से चली आती रही है।

प्राय: सभ्यता और संस्कृति को एक ही मान लिया जाता है, परंतु इसमें भेद है। सभ्यता में मनुष्य के जीवन का भौतिक पक्ष प्रधान होता है अर्थात् सभ्यता का अनुमान सुख-सुविधाओं से लगाया जा सकता है। इसके विपरीत संस्कृति में आचार और विचार पक्ष की प्रधानता होती है। इस प्रकार, 'सभ्यता' को शरीर माना जा सकता है तथा 'संस्कृति' को आत्मा, इसलिए इन दोनों को अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। वास्तव में, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

1. भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता किसे माना गया है?
(a) प्राचीन इतिहास को
(b) अनेकता में एकता को
(c) सामाजिक विरासत को
(d) सभ्यता एवं संस्कृति को

2. गद्यांश में सामाजिक विरासत किसे कहा गया है?
(a) संस्कृति को
(b) भौतिक पक्ष को
(c) विचार को
(d) आचरण को

3. भारत में सामासिक संस्कृति का रूप दिखाई पड़ने का क्या कारण है?
(a) विविधता
(b) विभिन्नता
(c) एकता
(d) राजनीतिक संगठन

4. भारतीय संस्कृति में किसका मिश्रण रहा है?
(a) आध्यात्मिकता का
(b) भौतिकता का
(c) (a) और (b) दोनों
(d) अतीत का

5. गद्यांश के अनुसार भारतीय संस्कृति की विशिष्टता नहीं है
(a) लचीलापन
(b) गतिशीलता
(c) स्थिरता
(d) ग्रहणशीलता

6. सभ्यता का अनुमान किससे लगाया जा सकता है?
(a) भीतरी उन्नति से
(b) सुख-सुविधाओं से
(c) परोपकारिता से
(d) व्यावहारिकता से

7. आचार और विचार पक्ष की प्रधानता किसमें होती है?
(a) सभ्यता में
(b) संस्कृति में
(c) इतिहास में
(d) भौतिकता में

8. प्रस्तुत गद्यांश में एक-दूसरे का पूरक किसे बताया गया है?
(a) शरीर और आत्मा को
(b) प्राचीनता और आधुनिकता को
(c) अनेकता और एकता को
(d) सभ्यता और संस्कृति को

9. किस विशेषता के कारण भारतीय संस्कृति विश्व में अपना विशेष स्थान रखती है?
(a) अनेकता में एकता
(b) सामाजिकता
(c) भौतिकता
(d) आधुनिकता

10. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता 'एकता में अनेकता' रही है।

कारण (R) विभिन्न प्रादेशिक विभिन्नता होने के बावजूद यहाँ परस्पर आचार-विचार में एकता देखने को मिलती है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(c) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

11. सभ्यता का अनुमान किससे लगाया जा सकता है?
(a) आचार-विचार पक्ष से (b) भाव पक्ष से
(c) व्यवहार से (d) इनमें से कोई नहीं

निर्देश (प्र.सं. 12-20) *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

हिमालय भी अन्य पहाड़ों की तरह पलायन, भुखमरी व जलवायु के दबाव में है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के अवसर पर बयान दिया था कि पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम बदलाव और जैव-विविधता के कारण विकासशील देशों में भुखमरी में वृद्धि हुई है। हिमालय क्षेत्र में भी लोग खाद्य सुरक्षा के जोखिमों को जीते हैं। पहले वे वन संसाधनों पर बहुत निर्भर करते थे। वन संसाधनों को पौष्टिक आहार, पशु चारे और औषधीय प्रयोगों के लिए लेते थे। मानवीय आवश्यकताओं के अनुरक्षण के लिए हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ती विकास परियोजनाओं से समस्याएँ बढ़ी हैं। यथार्थ है, हिमालय को ज़िंदा रखना है, तो हिमालयी क्षेत्र के लोगों को ज़िंदा रखना होगा। साथ ही, यदि हिमालय में ज़िंदा रहना है, तो हिमालय को ज़िंदा रखना होगा। आज हिमालयी क्षेत्र में पहाड़ ऐसे टूट रहे हैं, जैसे वे रेत के घरौंदे या ताश के पत्तों के घर हों। पहले तो भूकंप, किंतु अब भूस्खलनों, बादल विस्फोटों से ऐसे हालत अकसर बन रहे हैं। ऐसे में, आम जन नए आवासीय क्षेत्रों, खेती या आय उपार्जन के क्षेत्रों में बसाने की माँग करने लगते हैं। ऐसे में, हिमालयी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं से विस्थापितों के अलावा आपदा प्रभावितों के पुनर्वास मानकों और प्रक्रियाओं पर जन-सहभागी मंथन की जरूरत है।

आपदाओं के न्यूनीकरण में पर्वतीय हरित आच्छादन विस्तार महत्त्वपूर्ण माना गया है, किंतु इस विस्तार को जंगलों की हरीतिमा विस्तार तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। हरीतिमा स्थायीकरण भी होना चाहिए। यदि यह जैविक भी हो, तो जानवरों को पालना आवश्यक हो जाता है। जानवरों को पालने में परोक्ष रूप से परिवार भी बँधता है, जमीन का बंजर होना भी रुकता है। पलायन व खाद्य असुरक्षा कम करने में ग्रामीणों का योगदान होता है। इसके लिए सरकारों को सुगमकर्ता की भूमिका में आना होगा। हिमालयी राज्यों में नित नए इको-सेंसेटिव जोन घोषित होते हैं। इनके अंतर्गत कई प्रतिबंध लग जाते हैं।

इन स्थितियों में भी लोगों के यहाँ रहने के और विकास करने के अवसर कैसे बनाए रखे जाएँ, इसी के लिए ऐसे क्षेत्रों में जोनल मास्टर प्लान बनाए जाते हैं। लोगों का कहना है कि इको-सेंसेटिव क्षेत्र बनाने के पहले उनकी राय नहीं ली गई। जो लोग हिमालय की संवेदनशीलता के ही नाम पर अलग हिमालय नीति की माँग करते हैं, उन्हें हिमालय में बढ़ते इको-सेंसेटिव क्षेत्र के संदर्भ में समाधानों की राह बतानी होगी। केवल टकराव से काम नहीं चलेगा। हिमालय को केवल पर्यावरण से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता है। हिमालय बचाने के लिए वहाँ रहने और वहाँ रहकर आगे बढ़ने के जोखिम को कम करना आवश्यक है। इसके लिए अँधेरे में ही तीर चलाने और केवल अनुभवों से ही सीखने पर भरोसा करने के बजाय आधुनिकतम तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लेकिन सबसे जरूरी है, हिमालय से स्वयं को जोड़कर देखना।

12. हिमालयी क्षेत्रों में पहाड़ ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर रहे हैं?
(a) बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण
(b) बढ़ती विकास परियोजनाओं के कारण
(c) वन-प्रदेश के क्षेत्रफल में कटौती होने के कारण
(d) पर्यावरण के प्रदूषित होने के कारण

13. गद्यांश के आधार पर 'विस्थापित' शब्द का अर्थ है
(a) एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह बसाया गया
(b) नए सिरे से बसाया गया
(c) अपने मूल स्थान से हटाया गया
(d) अपने पद से हटाया गया

14. मानव-जन्य अथवा प्रकृति-जन्य आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए क्या अपेक्षित है?
(a) सरकारी सहयोग (b) निजी सहयोग
(c) आर्थिक सहयोग (d) जन सहभागिता

15. बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए आवश्यकता है
(a) पर्वतीय प्रदेशों में वृक्षारोपण की
(b) मानवीय गतिविधियों के न्यूनीकरण की
(c) पर्वतीय प्रदेशों में हरियाली के स्थायीकरण की
(d) मनुष्य और प्रकृति के बीच सन्तुलन की

16. पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन और खाद्य असुरक्षा को किस प्रकार कम किया जा सकता है?
(a) रोज़गार के साधन उपलब्ध कराकर
(b) वन-प्रदेश के क्षेत्रफल का विस्तार करके
(c) जैविक खेती के उत्पादन को बढ़ावा देकर
(d) पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा देकर

17. हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ती खाद्य असुरक्षा का कारण है
(a) वन संसाधनों की कमी
(b) दिनों-दिन बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ
(c) जलवायु परिवर्तन
(d) शहरी लोगों का आगमन

18. हिमालयी क्षेत्रों का दोहन क्यों किया जा रहा है?
(a) वहाँ के लोगों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए
(b) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए
(c) मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
(d) मानवीय आवश्यकताओं की रक्षा और विकास करने के लिए

19. हिमालयी राज्यों में नित नए-नए इको-सेंसेटिव जोन (पर्यावरण-संवेदी क्षेत्र) क्यों घोषित किए जा रहे हैं?
(a) बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण
(b) वहाँ के जन-जीवन की सुरक्षा के कारण
(c) वहाँ के प्राकृतिक धरोहर की रक्षा करने के लिए
(d) वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य की रक्षा करने के लिए

20. हिमालय को बचाने के लिए आवश्यक है
(a) हिमालय से स्वयं को जोड़ना
(b) आधुनिक तकनीक का सहारा लेना
(c) अनुभव से काम लेना
(d) नव-निर्माण पर रोक लगाना

निर्देश (प्र.सं. 21-30) *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

वर्तमान सांप्रदायिक संकीर्णता के विषम वातावरण में संत-साहित्य की उपादेयता बहुत है। संतों में शिरोमणि कबीरदास भारतीय धर्म निरपेक्षता के आधार पुरुष हैं। संत कबीर एक सफल साधक, प्रभावशाली उपदेशक, महान् नेता और युग-दृष्टा थे। उनका समस्त काव्य विचारों की भव्यता और हृदय की तन्मयता तथा औदार्य से परिपूर्ण है। उन्होंने कविता के सहारे अपने विचारों और भारतीय धर्म-निरपेक्षता के आधार को युग-युगांतर के लिए अमरता प्रदान की। कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा था। सत्य के समर्थक कबीर हृदय में विचार-सागर और वाणी में अभूतपूर्व शक्ति लेकर अवतरित हुए थे। उन्होंने लोक-कल्याण की कामना से प्रेरित होकर स्वानुभूति के सहारे काव्य रचना की।

वे पाठशाला या मकतब की ड्योढ़ी से दूर जीवन के विद्यालय में 'मसि कागद छुयो नहिं' की दशा में जी कर सत्य, ईश्वर पर विश्वास, प्रेम, अहिंसा, धर्म-निरपेक्षता और सहानुभूति का पाठ पढ़ाकर अनुभूतिमूलक ज्ञान का प्रसार कर रहे थे। कबीर ने समाज में फैले हुए मिथ्याचारों और कुत्सित भावनाओं की धज्जियाँ उड़ा दीं। स्वकीय भोगी हुई वेदनाओं के आक्रोश से भरकर समाज में फैले हुए ढोंग और पाखंडों, कुत्सित विचारधाराओं के प्रति दो टूक शब्दों में उन्होंने जो बातें कहीं, उनसे समाज की आँखें फटी-की-फटी रह गईं और साधारण जनता उनकी वाणियों से चेतना प्राप्त कर उनकी अनुगामिनी बनने को व्यग्र हो उठी। देश की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदि सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से प्रस्तुत करने का अनूठा प्रयत्न संत कबीर ने किया। उन्होंने बाँह उठाकर बलपूर्वक कहा

कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिए लुकाठी हाथ।
जो घर जारे आपना, चले हमारे साथ।।

21. वर्तमान युग में संत साहित्य को अधिक उपयोगी क्यों माना जाता है?
(a) सांप्रदायिक भेदभाव के कारण
(b) प्रेम, भाईचारे एवं सद्भावना पर अत्यधिक बल देने के कारण
(c) कबीर के विचारों को महत्त्वपूर्ण न मानने के कारण
(d) लोक कल्याण को महत्त्व न देने के कारण

22. गद्यांश में कबीर के लिए किस उपमान का प्रयोग किया गया है?
(a) महान् नेता (b) युग-दृष्टा
(c) सफल साधक (d) ये सभी

23. कबीर ने अपने विचारों और भारतीय धर्म-निरपेक्षता के आधार को किसके माध्यम से युगों-युगांतर के लिए अमरता प्रदान की?
(a) धर्म (b) जाति
(c) ज्ञान (d) कविता

24. कबीर ने अनुभूतिमूलक ज्ञान का प्रसार किसके द्वारा किया था?
(a) ईश्वर पर विश्वास के द्वारा (b) अहिंसा के द्वारा
(c) धर्म निरपेक्षता के द्वारा (d) ये सभी

25. प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार कबीर ने धर्म को किस रूप में देखा?
(a) मानव धर्म (b) ईश्वर धर्म
(c) सामाजिक धर्म (d) ये सभी

26. कबीर द्वारा की गई काव्य रचना किससे प्रेरित थी?
(a) उच्च वर्ग
(b) निम्न वर्ग
(c) लोक कल्याण की कामना
(d) धार्मिक अंधविश्वास

27. सामान्य जनता कबीर के बताए मार्ग पर चलने के लिए व्यग्र क्यों हो गई?
(a) कबीर के विचारों से प्रभावित होकर
(b) समाज में फैले हुए ढोंग के कारण
(c) अन्य आधार न मिलने के कारण
(d) जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के कारण

28. कबीर ने अपनी वाणी के माध्यम से किसकी आलोचना नहीं की?
(a) मिथ्याचार की
(b) कुत्सित भावना की
(c) ढोंग और पाखंड की
(d) सर्वव्याप्त ईश्वर की

29. अपने जीवन के द्वारा कबीर ने किन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया?
(a) आर्थिक (b) धार्मिक
(c) राजनीतिक (d) ये सभी

30. प्रस्तुत गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?
(a) संत साहित्य
(b) भक्तिकालीन साहित्य
(c) युग दृष्टा : संत कबीर
(d) कबीर का समकालीन समाज

31. निम्नलिखित मुहावरों का उनके अर्थों के साथ मिलान कीजिए।

	सूची I		सूची II
A.	आँच न आने देना	1.	बिल्कुल अच्छा न लगना
B.	उल्टी गंगा बहना	2.	जरा भी कष्ट न आने देना
C.	एकमात्र सहारा	3.	विपरीत काम करना
D.	एक आँख न भाना	4.	अन्धे की लकड़ी होना

कूट
A B C D A B C D
(a) 1 2 3 4 (b) 4 3 2 1
(c) 2 3 4 1 (d) 3 2 4 1

32. निम्नलिखित पर्यायवाची का उनके अर्थों के साथ मिलान कीजिए।

	सूची I	सूची II
A.	जलज	1. बादल
B.	जलद	2. कमल
C.	जलधि	3. समुद्र

कूट
A B C A B C
(a) 2 3 1 (b) 2 1 3
(c) 3 2 1 (d) 1 2 3

33. निम्नलिखित में से कौन-सा तद्भव शब्द है?
(a) पंख (b) पृष्ठ
(c) लज्जा (d) शिला

34. निम्नलिखित वर्गों में चन्द्रमा के सभी पर्यायवाची शब्द किस वर्ग में शुद्ध हैं?
(a) चाँद, हिमाँशु, पद्माकर (b) चाँद, हिमाँशु, जलज
(c) चाँद, हिमाँशु, अर्कजा (d) हिमाँशु, सुधाँशु, सुधाकर

35. निम्नलिखित में से कृदन्त अव्यय का एक प्रकार नहीं है
(a) पूर्वकालिक (b) भूतकालिक कृदन्त
(c) तात्कालिक (d) पूर्ण क्रियाद्योतक

36. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?
(a) लगन (b) मीमांसा
(c) आहट (d) माधुर्य

37. निम्नलिखित विकल्पों में से 'उद्योग' शब्द का सन्धि-विच्छेद चिह्नित कीजिए।
(a) उत् + योग (b) उद् + योग
(c) उध + योग (d) उत् + अयोग

38. निम्नलिखित में किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) भरपूर (b) भरसक
(c) भरतार (d) भरपेट

39. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है
(a) पूज्नीय (b) पुज्यनीय
(c) पूजनीय (d) पुजनीय

40. निम्नलिखित वाक्यों को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए।
A. समाचार-पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों
B. पदार्थों से
C. द्वारा लोग उपयोगी, आवश्यक तथा उत्तमोत्तम
D. परिचित होते हैं
(a) A B C D (b) B C D A
(c) B C D A (d) A C B D

41. इनमें से 'तीक्ष्ण' शब्द का विलोम कौन-सा है?
(a) प्रखर (b) क्षीण
(c) मन्द (d) तीव्र

42. निम्नलिखित वाक्यांशों को सही क्रम से लिखिए।
A. तो उसमें तेल ही तेल
B. घर आकर
C. जब मैंने बर्तन का ढ़क्कन खोला
D. दिखाई दिया
(a) B, C, A, D (b) C, A, B, D
(c) A, D, C, D (d) B, A, D, C

43. अव्यवस्थित वाक्य खण्ड से क्रमबद्ध वाक्य बनाइए और उचित क्रम चुनिए।
A. भारतीय
B. बिना हिंसक विरोध के
C. शुरू से ही
D. सहते
E. आर्थिक और सामाजिक अन्याय को
F. चले आए हैं
(a) A, C, E, D, A, F
(b) E, B, C, D, F, A
(c) B, E, C, D, F, A
(d) C, E, B, A, D, F

44. सूची I से सूची II का सही मिलान कीजिए

	सूची I		सूची II
A.	अल्पविराम	1.	–
B.	कोष्ठक	2.	०
C.	संक्षेपसूचक	3.	,
D.	योजक	4.	( )

कूट

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	1	3	2	4
(d)	3	4	2	1

45. इनमें से मुहावरे तथा उसके अर्थ को सुमेल कीजिए।

	मुहावरा		अर्थ
A.	छाती लगाना	1.	प्रसन्नता से फूले न समाना
B.	छाती पर साँप लोटना	2.	बहुत अधिक दु:ख या वेदना होना
C.	छाती उमड़ना	3.	ईर्ष्या के कारण व्यथित होना
D.	छाती फटना	4.	आलिंगन करना

कूट

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	2	4	1	3
(c)	1	3	4	2
(d)	4	1	2	3

46. निम्न में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?
(a) राम से पेट भर मिठाई खाई
(b) बाम ने पेट भर के मिठाई खाई
(c) राम ने भरपेट मिठाई खाई
(d) उपरोक्त सभी शुद्ध हैं

47. निम्नांकित में से मुहावरा है।
(a) सावन हरे न भादो सूखे (b) भाड़े का टट्टू
(c) एक पन्थ दो काज (d) चिराग तले अन्धेरा

48. निम्न में से कौन-सा शब्द अनेकार्थक है?
(a) साहस (b) पुस्तक
(c) अम्बर (d) बालक

49. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द द्रव्यवाचक संज्ञा है?
(a) खटाई (b) मिठाई
(c) दूध (d) ठण्ड

50. 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी साहित्य के किस काल में लिखा गया?
(a) आदिकाल (b) भक्तिकाल
(c) रीतिकाल (d) आधुनिककाल

सही विकल्प

1. (b)	**2.** (a)	**3.** (c)	**4.** (c)	**5.** (c)	**6.** (b)	**7.** (b)	**8.** (d)	**9.** (a)	**10.** (b)
11. (b)	**12.** (a)	**13.** (a)	**14.** (d)	**15.** (d)	**16.** (d)	**17.** (b)	**18.** (d)	**19.** (a)	**20.** (a)
21. (b)	**22.** (d)	**23.** (d)	**24.** (d)	**25.** (a)	**26.** (c)	**27.** (a)	**28.** (d)	**29.** (d)	**30.** (c)
31. (c)	**32.** (b)	**33.** (a)	**34.** (d)	**35.** (b)	**36.** (d)	**37.** (a)	**38.** (c)	**39.** (c)	**40.** (d)
41. (c)	**42.** (a)	**43.** (d)	**44.** (d)	**45.** (a)	**46.** (c)	**47.** (b)	**48.** (c)	**49.** (c)	**50.** (a)

संकेत एवं हल

1. *(b)* भारतीय संस्कृति में सबसे बड़ी विशेषता अनेकता में एकता को माना गया है, क्योंकि अपने आचार-विचारों की एकता के कारण यहाँ सदा सामासिक संस्कृति का रूप देखने को मिलता है। यद्यपि ऊपरी तौर पर भारत के विभिन्न प्रदेशों में पर्याप्त भिन्नता दिखाई देती है।

2. *(a)* गद्यांश में सामाजिक विरासत संस्कृति को कहा गया हैं, क्योंकि आचार-विचारों की एकता के कारण सामाजिक संस्कृति का रूप देखने को मिलता है।

3. *(c)* भारत के सामाजिक संस्कृति का रूप दिखाई पड़ने का कारण एकता है। भारत सदियों से सांस्कृतिक इकाई के रूप में विश्व में अपना स्थान बनाये हुए है। इसलिए भारत में एकता के सदैव दर्शन होते हैं।

4. *(c)* भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता एवं भौतिकता दोनों का मिश्रण रहा है। अत: इसकी प्राचीनता, गतिशीलता, इसका लचीलापन, इसकी ग्रहणशीलता, सामाजिक स्वरूप, अनेकता के भीतर मौजूद एकता ही प्रमुख विशेषता हैं।

5. *(c)* गद्यांश के अनुसार, स्थिरता भारतीय संस्कृति की विशिष्टता नहीं है। इसमें लचीलापन, गतिशीलता, स्थिरता, इसकी विशेषता है।

6. *(b)* सभ्यता का अनुमान सुख-सुविधाओं से लगाया जा सकता है। सभ्यता में मनुष्य के जीवन का भौतिक पक्ष प्रधान होता है।

7. *(b)* आचार और विचार पक्ष की प्रधानता संस्कृति में होती हैं। अत: सभ्यता को शरीर एवं संस्कृति को आत्मा माना गया है। ये एक-दूसरे के पूरक हैं।

8. *(d)* प्रस्तुत गद्यांश में सभ्यता एवं संस्कृति को एक-दूसरे का पूरक बताया गया है।

9. *(a)* अनेकता में एकता के कारण भारतीय संस्कृति विश्व में अपना विशेष स्थान रखती है। भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता एवं भौतिकता दोनों का ही मिश्रण रहा है।

10. *(b)* **कथन (A)** भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता एकता में अनेकता रही है।

कारण (R) विभिन्न प्रादेशिक विभिन्नता होने के बावजूद यहाँ परस्पर आचार-विचार में देखने को मिलती हैं। कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही हैं।

11. *(b)* सभ्यता का अनुमान भाव पक्ष से लगाया जा सकता है, क्योंकि सभ्यता में मनुष्य के जीवन की सुख-सुविधाएँ सम्मिलित रहती हैं।

12. *(a)* हिमालयी क्षेत्रों में पहाड़ ताश के पत्तों की तरह बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण बिखर रहें है। पहले तो भूकम्प किन्तु अब भूस्खलनों, बादल विस्फोटों से ऐसे हालात अकसर बन रहे हैं, जिनसे पहाड़ ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे हैं।

13. *(a)* 'विस्थापित' का अर्थ 'एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह बसाया गया' है।

अन्य विकल्प असंगत है।

14. *(d)* मानव-जन्य अथवा प्रकृति-जन्य आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए जन सहभागिता अपेक्षित है। हिमालयी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं से विस्थापितों के अलावा आपदा प्रभावितों के पुनर्वास मानकों और प्रक्रियाओं पर जन-सहभागी मंथन की जरूरत है।

15. *(d)* बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए मनुष्य और प्रकृति के बीच सन्तुलन की आवश्यकता है।

आपदाओं के न्यूनीकरण में पर्वतीय हरित आच्छादन-विस्तार महत्त्वपूर्ण माना गया है। यदि यह जैविक हो, तो जानवरों को पालना भी आवश्यक होता है जिससे परिवार भी बनता है, जमीन का बन्जर होना भी रूकता है।

16. *(d)* पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन और खाद्य असुरक्षा को पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा देकर कम किया जा सकता है। जानवरों को पालने में परोक्ष रूप से परिवार भी बन्धता है, जमीन का बन्जर होना भी रुकता है, तो पलायन व खाद्य असुरक्षा कम करने में ग्रामीणों का योगदान होता है।

17. *(b)* हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ती खाद्य सुरक्षा का कारण दिनों दिन बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम बदलाव, जैव-विविधता के कारण भुखमरी में वृद्धि हुई है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण हिमालयी क्षेत्र में पहाड़ टूट रहे है।

18. *(d)* हिमालयी क्षेत्रों का दोहन मानवीय आवश्यकताओं की रक्षा और विकास करने के लिए किया जा रहा है। मानवीय आवश्यकताओं के अनुरक्षण के लिए हिमालयी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं से समस्याएँ बढ़ी हैं।

19. *(a)* हिमालयी राज्यों में नित नए-नए इको सेंसेटिव जोन (पर्यावरण संवेदी क्षेत्र) बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण घोषित किये जा रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण यहाँ के जन-जीवन की सुरक्षा, पलायन व खाद्य असुरक्षा कम करने के लिए हिमालयी राज्यों में नित-नए इको सेंसेटिव जोन घोषित होते है।

20. *(a)* हिमालय को बचाने के लिए हिमालय से स्वयं को जोड़ना आवश्यक है। हिमालय को बचाने के लिए केवल अनुभवों से ही सीखने पर भरोसा करने के बजाय आधुनिकतम तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए, परन्तु सबसे जरूरी है, हिमालय से स्वयं को जोड़ना।

21. *(b)* वर्तमान युग में संत साहित्य को अधिक उपयोगी प्रेम, भाइचारें एवं सद्भावना पर अत्यधिक बल देने के कारण माना जाता है।

22. *(d)* गद्यांश में कबीर के लिए महान नेता, युग-दृष्टा, सफल साधक ये सभी उपमान प्रयोग किए गए है। सन्त कबीर एक सफल साधक भी थे।

23. *(d)* कबीर ने अपने विचारों और भारतीय धर्म-निरपेक्षता के आधार को कविता के माध्यम से युगों-युगान्तर के लिए अमरता प्रदान की है। उनका समस्त काव्य, विचारों की भव्यता और हृदय की तन्मयता, औदार्य से परिपूर्ण हैं।

24. *(d)* कबीर ने अनुभूतिमूलक ज्ञान का प्रसार ईश्वर पर विश्वास के द्वारा, अहिंसा के द्वारा, धर्म निरपेक्षता के द्वारा किया था।

25. *(a)* प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार, कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा। उन्होंने लोक-कल्याण की कामना से प्रेरित होकर स्वानुभूति के सहारे काव्य की रचना की।

26. *(c)* कबीर द्वारा की गई काव्य रचना लोक कल्याण की कामना से प्रेरित थी। कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा।

27. *(a)* सामान्य जनता कबीर के बताए मार्ग पर चलने के लिए व्यग्र हो गई क्योंकि कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा जिससे उनकी अनुगामिनी बनने को व्यग्र हो उठी।

28. *(d)* कबीर ने अपनी वाणी के माध्यम से सर्वव्याप्त ईश्वर की आलोचना नहीं थी। कबीर ने मिथ्याचार की, कुत्सित भावना की, ढोंग और पाखण्ड की आलोचना की हैं।

29. *(d)* अपने जीवन के द्वारा कबीर ने आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदि सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से प्रस्तुत करने का अनूठा प्रयास किया।

30. *(c)* प्रस्तुत गद्यांश युग-दृष्टा सन्त कबीर की विषय-वस्तु पर आधारित है।

31. *(c)* दिए गए विकल्पों में मुहावरों का सही मिलान इस प्रकार होगा 'आँच न आने देना' मुहावरे का अर्थ 'जरा भी कष्ट न आने देना', 'उल्टी गंगा बहना' मुहावरे का सही अर्थ होगा; विपरीत काम करना; 'एकमात्र सहारा' मुहावरे का सही अर्थ है; 'अन्धे की लकड़ी होना' एवं 'एक आँख न भाना' मुहावरे का सही अर्थ है-बिल्कुल अच्छा न लगना।

32. *(b)* जलज शब्द के पर्यायवाची कमल, पंकज, अम्बुज, अरविन्द, सरोज, राजीव, जलजात, फण्डरीक, नलिन आदि हैं। जलद शब्द के पर्यायवाची-बादल, जलधर, मेघ, करिद, धन जलधर आदि हैं। जलधि शब्द के पर्यायवाची शब्द-समुद्र, पयोधि, रत्नाकर, उदधि, सिंधु, अर्णव, रतनाकर, पयोधि, नदीश आदि हैं।

33. *(a)* 'पंख' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम 'पक्ष' होता है। 'पृष्ठ' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'पीठ' होता है। 'लज्जा' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव 'लाज' होता है।

34. *(d)* 'हिमाँशु, सुधाँशु, सुधाकर चन्द्रमा के पर्यायवाची शब्द हैं।
चन्द्रमा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—निशानाथ, इन्दु, शशि, शशाँक, शकापति, निशिपति, हिमकर, राकेश एवं मयंक है। पदमाकर तालाब का पर्यायवाची; जलज; कमल का पर्यायवाची तथा अर्कजा यमुना का पर्यायवाची है।

35. *(b)* अविकारी कृदन्त (अव्यय) चार प्रकार के होते हैं—
पूर्वकालिक कृदन्त, तात्कालिक कृदन्त, अपूर्ण क्रियाद्योतक तथा पूर्ण क्रियाद्योतक भूतकालिक कृदन्तों का प्रयोग सामान्यत: विशेषण की तरह होता है।

36. *(d)* माधुर्य पुल्लिग शब्द है। जबकि लगन, मीमांसा तथा आहट स्त्रीलिंग शब्द हैं।

37. *(a)* 'उद्योग' का सन्धि 'उत् + योग' होगा। उद्योग शब्द में व्यंजन सन्धि है। जब किसी वर्ग का पहला वर्ण (क्, च, त, ट, प) का मेल किसी स्वर अथवा किसी वर्ग के तीसरे वर्ण (ग, ज, ड, द, ब या चौथे वर्ण (ध, स, ढ, ध, भ) अथवा अन्तस्थ व्यंजन (य, र, ल, व) के किसी भी वर्ण से होने पर वर्ग का पहला वर्ण अपने ही वर्ण के तीसरे वर्ण (ग् ज् ड् द् ब्) में परिवर्तित हो जाता है, जैसे—सत् + भावना = सद्भावना।

38. *(c)* 'भरतार' शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है, जबकि भरसक, भरपेट में 'भर' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'भर' उपसर्ग का अर्थ 'पूरा' या 'ठीक' है।

39. *(c)* दिए गए शब्दों में शुद्ध शब्द 'पूजनीय' है। पूज्नीय, पुज्यनीय, पुजनीय तीनों शब्द व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध हैं। पूजा विशेष्य के अन्त में 'अनीय' प्रत्यय के जुड़ने पर पूजनीय विशेषण (शब्द) बनता है।

40. *(d)* वाक्य का व्यवस्थित क्रम इस प्रकार है
समाचार-पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों द्वारा लोग, उपयोगी, आवश्यक तथा उत्तमोत्तम पदार्थों से परिचित होते हैं।

41. *(c)* 'तीक्ष्ण' शब्द का विलोम शब्द 'मन्द' होता है।

शब्द	विलोम
प्रखर	मन्द
क्षीण	पुष्ट
तीव्र	मन्द/शिथिल

42. *(a)* दिए गए वाक्यांशों का सही क्रम इस प्रकार है—घर आकर, जब मैंने बर्तन का ढ़क्कन खोला, तो उसमें तेल ही तेल दिखाई दिया।

43. *(d)* क्रमबद्ध वाक्य इस प्रकार है—शुरू से ही आर्थिक और सामाजिक अन्याय को बिना हिंसक विरोध के भारतीय सहते चले आए हैं।